

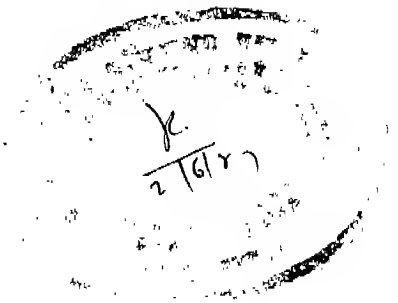


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 7]  
No. 7]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 25, 1987/चैत्र 4, 1909  
NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 25, 1987/CHAITRA 4, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के  
अधीन सूचना

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू.—7/37 इब/6-87/2649 :—अतः  
मुझे श्री बी.के. मंगोला, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269(1)  
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वामी  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और  
जिसकी संख्या... हैं तथा जो जी-18, प्लॉट नं. 12, जिला सेंटर जनकपुरी,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम

1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख जून 1987 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तित्व  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वसंक्ति  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तविक  
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया जाता चाहे धन, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

1. साकेत प्रोपर्टीज प्रा. लिमिटेड (अन्तरक)  
डी-345, डिफेंस कालोनी,  
नई दिल्ली।
2. जगमोहन घई, मिसस स्वर्ण कान्ता, (अन्तरिणी)  
नवल के. घई, और  
मिसेस मीनाक्षी घई, ई 195, ग्रेटर कलाश-1,  
नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में अध्याय-वि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप नं. जी-18, प्लॉट नं. 12, जिला सेंटर जनकपुरी,  
नई दिल्ली।

तारीख 9-3-1987

मोहर

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-VII  
NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 9th March, 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-EE/6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing Shop No. G-18 at Plot No. 12 Dist. Centre, situated at Janakpuri, New Delhi-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been regd. with the Competent Authority u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in

respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi.

Transferor.

- (2) Sh. Jagmohan Ghai, Mrs. Swarn Kanta, Sh. Naval K. Ghai and Mrs. Meenakshi Ghai E-195 Greater Kailash-I, New Delhi.

Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette ;

#### SCHEDULE

Shop No. G-18 at plot No. 12 Dist. Centre Janakpuri New Delhi-58.

Shop Area 130 sq. ft.

Dated : 9-3-1987

Seal.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. --7/37 इह/6-86/2647. --अतः मुझे श्री वी. के. मंगोत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ... है तथा जो जी-5, प्लॉट नं. 12, जिला सेंटर जनकपुरी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख जून 1987 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे छपने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री/श्रीमति/कुमारी : साकेत प्रॉपर्टी प्रा. लिमि., (अन्तरक)  
डी-345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
2. श्री/श्रीमति/कुमारी : जगमोहन घई, मिसेस स्वर्ण कौता, (अन्तरिणी)  
नवल के. घई मीनाक्षी घई  
ई-195, गेटर कलाश-1, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं. जी-5, प्लॉट नं. 12, जिला सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली-58

तारीख : 9-3-87

मोहर :

Ref. No. IAC. (Acq)[R-VII]37-EE[6-86].—Whereas I, V K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. G-5 at Plot No. 12, Dist. Centre, situated at Janakpuri, New Delhi-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been regd. with the Competent Authority u/s. 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules, 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1952).

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri/Smt./Km. : Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri/Smt. Km. : Jagmohan Ghai S/o Sh. Ram Saran Ghai, Mrs. Swaran Kanta w/o Sh. Jagmohan Ghai & Mrs. Meenakshi Ghai W/o Sh. Naval K. Ghai, E-195 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

#### SCHEDULE

Shop No. G-5 at Plot No. 12, District Centre Janakpuri, New Delhi-58.

Shop Area 222 Sq. ft.

Dated : 9-3-1987

Seal.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू.-7/37/6-86/2650.---प्रतः मुझे, श्री बी. के. मंगोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या... है तथा जो शाप नं. जी-19, प्लॉट नं. 12, जिला सेंटर जनकपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-कख के अधीन तारीख जून 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिणी) अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

धन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री/श्रीमति/कुमारी : साकेत प्रॉपर्टी प्रा. लिमिटेड (अन्तरक)  
डी-345, डिफेंस कालोनी,  
नई दिल्ली।
2. श्री/श्रीमति/कुमारी : जगमोहन घई, स्वर्णकौता, (अन्तरिणी)  
मीनाक्षी घई, नवल के, घई  
ई-195, गेटर कलाश-1, नई दिल्ली-1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप नं. जी-19, प्लॉट नं. 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली।

तारीख : 9-3-1987

साहू :

Ref. No. IAC. (Acqy)R-VII/37-EE/6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. Shop No. G-19 at Plot No. 12 Dist. Centre situated at Janakpuri, New Delhi-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules, 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri/Smt./Km. : Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Shri/Smt./Km. : Jagmohan Ghal, Swaran Kanta, Sh. Naval K. Ghal & Mrs. Meenakshi Ghal E-195, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette ;

#### SCHEDULE

Shop No. G-19 at Plot No. 12 Dist. Centre, Janakpuri, New Delhi-58.

Shop Area 130 Sq. ft.

Dated : 9-3-1987

Seal.

निदेश सं. आई. ए. सी. (एक्यू.-7/6-87/2559/37EE) :- घन : भूमे श्री बी के मंगोत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ----- है तथा जो प्लॉट नं. 406, नं. 8, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-खण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-कख के अधीन जून 1987 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी : अंसल प्रोपर्टीस एंड इन्व्स्टीग प्रा. लि. (अस्तरक) 115, अंसल भवन, के. जी. गांधी मार्ग, नई दिल्ली

2. श्री/श्रीमती/कुमारी : एस बी एस इन्व्स्टमेंट्स (अन्तरिती) 1112-ए, अंसल भवन, के जी गांधी मार्ग, नई दिल्ली



को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिनियम पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध निर्मा यन्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गण लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 406, न. 8, जनकपुरी जिला केन्द्र  
नई दिल्ली।

Ref No. IAC. (Acq)/R-VII/37-FE/6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 406 in No. 8, Janakpuri Dist. Centre situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been regd. with the Competent Authority u/s 269 A B of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1952).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri/Smt./Km. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. S. V. S. Investments, 1112-A, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires last;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette ;

#### SCHEDULE

Flat No. 406 in No. 8 Janakpuri Dist. Centre New Delhi.

Area 638 sq. ft.

Dated : 9-3-1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एस. -7/37डब्ल्यू/6-86/2558 :- अतः श्री वी के मंगोत्रा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हममें हमने पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या फ्लैट नं. 403, नं. 8 है तथा जो जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके आबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के आवांश में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क. के अधीन तारीख जून 1987 को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चिम प्रमाण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी अंशु प्रोपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा. लि. ... (अन्तरक)  
115, अंशु भवन, के जी मार्ग, नई दिल्ली
2. श्री/श्रीमती/कुमारी एस वी एस इवेस्टमेंट्स, 1112-ए, ... (अन्तरिणी)  
अंशु भवन, के जी मार्ग, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में दिया परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची,

फ्लैट नं. 403 नं. 8, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

तारीख 9-3-1987

मोहर

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-EE/6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Flat No. 403 in No. 8 Janakpuri Dist. Centre, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri/Smt./Km. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, KG Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri/Smt./Km. S. V. S. Investments, 1112-A Ansal Bhawan KG Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

#### SCHEDULE

Flat No. 403 in No. 8 Janakpuri, Dist. Centre New Delhi. Area 638 Sft.

Date : 9-3-1987.

Seal

निर्देश नं. आई. ए. सी /एक्यू.-7/37इए/6-87/2560 :- अतः मुझे श्री को के संतोषा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सच्चा फ्लैट नं. 515, ई तथा जो नं. 8 जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269अख के अधीन तारीख जून 1987 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को दाखत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कटने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी अंसल प्रोपर्टीस एंड इंडस्ट्रीस प्रा. लि. (अन्तरक) 115, अंसल भवन, के जी मार्ग, नई दिल्ली।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी एस वी एस इन्वेस्टमेंट्स, 1112-ए, (अन्तरितो) अंसल भवन, के जी मार्ग, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 515, नं. 8, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

तारीख 9-3-1987

मोहर

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-EE/6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Flat No. 403 in No. 8 Janakpuri Dist. Centre, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri/Smt./Km. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, KG Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. S. V. S. Investments, 1112-A Ansal Bhawan KG Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

#### SCHEDULE

Flat No. 515, at No. 8, Janakpuri District Centre New Delhi Area 609 Sft.

Date : 9-3-1987.

Seal.

निर्देश सं. आई.ए. सी./एक्यू.-7/37 ईड/6/87-2652 :—अतः मुझे श्री की.के. संतोषा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269क के अधीन गण्य अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ----- है तथा जो जी-22, प्लाट नं. 12 जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), गण्य अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क के अधीन तारीख जून 1987 को पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निवों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया जाता चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमति/कुमारी साकेत प्रोफ़ेस श्रि लि., डी-345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी युगमोहन घई, स्वर्णकान्ता, नवल के. घई, मीनाक्षी घई ई-195, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अग्रज के लिये कार्रवाई शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अग्रज के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जी-22, प्लॉट नं. 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली।

तारीख 9-3-1987

मोहर

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37/EE[6-87-2652].—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Shop No. G-22 at plot No. 12 Dist. Centre situated at Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri/Smt./Km. Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. Shri Jagmohan Ghai, Mrs. Swarn Kanta, Shri Naval. K. Ghai & Mrs. Meenakshi Ghai, E-195 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

#### SCHEDULE

Shop No. G-22 at plot No. 12 District Centre Janakpuri, New Delhi, Area 185 Sq. ft.

Date : 9-3-1987.

Seal

निर्देश सं. आई. ए.सी./एक्यू.-7/37/EE/6-87/2648 :—अतः मुझे श्री वी.के. मंगोत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या— है तथा जो जी-6, प्लॉट नं. 12, जिला जनकपुरी केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), भारतीय सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क के अधीन तारीख जून 1987 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकर के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर के पद्धत प्रमाणित अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन कार्य अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये.

आ. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी, साकेत प्रॉपर्टीज प्रा. लि., डी-345, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
  2. श्री/श्रीमती/कुमारी जगमोहन घई, मिनीय स्वर्ण घई, नवल के. घई, सीताक्षी घई, पता—195, स्टेट कैपान-1, नई दिल्ली। (अन्तरिकी)
- का यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अव्योहताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में मघा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. जी-6, प्लॉट नं. 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली।

तारीख : 9-3-87

मोहर

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37/EE[6-86].—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Shop No. G-6 at plot No. 12 Dist. Centre situated at Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986



for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri/Smt./Km. Saket Properties Pvt. Ltd. D-345 Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri/Smt./Km. Shri Jagmohan Ghai, Mrs. Swarn Kanta, Shri Naval, K. Ghai & Mrs. Meenakshi Ghai, E-195 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette:

#### SCHEDULE

Shop No. G-6 at Plot No. 12 Dist. Centre Janakpuri, New Delhi, Shop Area 222 Sq.ft.

Dated: 9-3-1987.

Seal

निर्देश सं. आइ.ए.सी./एक्यू.-7/37इइ/6/86 :—अतः मुझे श्री वी. के. मंगोत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या— है तथा जो शाप नं. जी-21, प्लॉट नं. 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख जून 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकर के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

1794 GI86—2

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी जगमोहन घई, श्रीमती सवर्ण कान्ता, श्री नवल के. घई और मिसेज मोनाक्षी ई-195, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी साकेत प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड डी 345, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं. 21, प्लॉट नं. 21, जिला सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली। क्षेत्र 185 वर्ग फीट।

तारीख 9-3-87

मोहर

वी.के. मंगोत्रा, सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-EE/6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Shop No. G-21 at plot No. 12 Dist. Centre situated at Janakpuri, New Delhi-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1952);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri/Smt./Km. Saket Properties Pvt. Ltd. D-345 Kanta, Shri Naval. K. Ghai & Mrs. Meenakshi Ghai. F-195 Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)
- (2) Shri/Smt./Km. Shri Jagmohan Ghai, Mrs. Swarn Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette ;

#### SCHEDULE.

Shop No. 21 at plot No. 12 Dist. Centre Janakpuri, New Delhi 58, Area 185 sq. ft.

Dated : 9-3-1987.

Seal

V. K. MANGOTRA, Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax) Acquisition Range VII